

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

सत्र - ४

परीक्षा : अप्रैल - २०२६

विषय : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (HC - 402)

दि.: २४/०४/२०२६

कुल अंक : १००

समय : दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ भारतेन्दु युगीन हिंदी गद्य साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए, उनके काल के साहित्यिक विधाओं के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. २ द्विवेदी युगीन हिंदी गद्य साहित्य का स्वरूप और उसकी सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ३ प्रेमचंद युगीन उपन्यासकारों का परिचय देते हुए, उनके लेखन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ४ प्रेमचंदोत्तर युग की कहानियों की विभिन्न शैलियों एवं प्रवृत्तियों को विवेचित कीजिए।
- प्र. ५ हिंदी नाटक के उद्भव और विकास का संक्षेप में परिचय देते हुए, प्रसादजी के नाटकों की विशेषताओं को विशद कीजिए।
- प्र. ६ आधुनिक काल के हिंदी निबंधों के विकास क्रम को लिखते हुए, आचार्य शुक्ल जी के निबंधों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ७ सांस्कृतिक काव्य धारा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।
- प्र. ८ प्रगतिवादी काव्य धारा की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, उसके प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।
- प्र. ९ छायावादी काव्य धारा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।
- प्र. १० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
 १. फणीश्वरनाथ रेणु
 २. हिंदी आलोचना-विकासक्रम
 ३. मैथिलीशरण गुप्त
 ४. साठोत्तरी कविता ।